

हृन्मयवर्जिनश्रया॥

धर्मवैक्रमडाहलिमसना

समिगवचवयसमरुनयि

या ॥ ॥ नमो ॥ गन्धारे

वनगुह्या ॥ कु ॥ शि ॥ हय

ॐ श्री गणेशाय नमः

ॐ

॥ यो न तोला नूला मीतव यत्नश्च यैव जिनमूकूटमातिलयन ॥ ॥

सिंयः वाययिया प्रहृष्टवस्त्रनं ॥ ॥ सुना सुन

यन्मन्त्रादिवज्रजित्तुल्यलयन॥ ॐ ॥ गान्धर्विका

नवाष्टमोऽध्यायः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥

वज्रसूत्रपञ्चमस्कन्धेन्यनमयदा ॥ गीताशुनिबद्ध
नमस्तुते ॥ एतत्तुल्यं कृतं कृतं कृतं ॥ ॥ ॥ ॥

मन्त्रसूत्रादि उक्तं कथा उवाच न स शशाङ्कः ॥ ३३ ॥

2847

ॐ नमो भगवते
श्रीगणेशाय नमः
ॐ नमो भगवते
श्रीगणेशाय नमः

नरुकाया ॥ ॥ नागा ॥ हे न वि ॥ गा न ॥ ग नि ॥ उ म हि म तु ल म नू स मू डा रू न ध न म ॥ इ ह न
ड द क वि नू व डा ॥ ५ ॥
जिन गु ल ना या ॥ ॥ कं ध्या
उ क म न का ॥ ॥ य व न इ
ह दा हा ॥ ॥ सु ग न र नि हा
काल य वा द्या ॥ ॐ ॥ ना गा ॥ ग न्धा रे न वि ॥ गा न ॥ म य ॥ प्रि उ व न ह लि ग मू र नि मू न सा

४

ॐ नमो भगवते
श्रीगणेशाय नमः
ॐ नमो भगवते
श्रीगणेशाय नमः

य न वि न य द नि ॥ ५ ॥ ना वे न व रु स त्त् य न म न्ध नो रा व नी ॥ ॥ न मि स ह उ द धा त्त् य र्त्
ह य व नि ॥ ५ ॥ व रु वि वि रु
मा रु वा मू डा ॥ ॥ ना गा
उ मि सि ष वा द य मू नि नी
ही म त्त घू नि रु रु ल हा ॥ ५
ना म र म घ मां स म त्त य पं व वि ष पू रु नि गृ ण तु र्वा द रु यी व रु न ॥ १ ॥ सु व र्म ज्ञा न न

२ प्रियप्रियनाथ॥१०

वृक्षवननृषा॥ नागकामाड॥ नावखकंगाना॥ प्रियप्रियनाथ॥ क्रियायिनमवियगिरगच्छुसु
वन॥ नृहनिहिता॥ १ ॥
मिवकनली॥ २ ॥ जंबूउव
न॥ कनली॥ ३ ॥ पूत्यजन
हासा॥ ४ ॥ डवगावियनि
समानसाधयं तजगच्छगच्छ॥ ५ ॥ मजकनिहाकि॥ मूहनहिदायी॥ ६ ॥ यकगलनाजा॥

७

३ रववज्रकमं

गच्छलंकायुली॥ नाथरु॥ वृक्षवनकनली॥ १ ॥ नृदगलधवनवविप्रकनलीकि
२ नाथसा॥ मूहा॥ मूयनुन
मविसा॥ स्वजा॥ धाईविध
धनाजा॥ दहादिगस्किना
मधनिसा॥ गावनि॥ कुलि
नागरुनवि॥ नावा॥ मया॥ डंखवज्रधृक्॥ वृक्षका॥ नाव॥ कानि॥ नापि॥ निपू॥ नापयि॥ नाव॥

रुसयिभूतनमहाकावाव. मसीयविप्रसमूहव॥ ३॥ घघ. घानय२ सर्वइसन कील
यहंरुदयायरुन२३ वंजकी
सत्त्वमात्राधियावभूतन
व. रिनाऊनयुनि. घानव
कीलयकी॥ ३॥ डरुनदि
दगहन. महाभमानात्रयकाधियनिगतकीलयकि॥ ३॥ यचिमदिगधान. श्वनान

नन. सिभूनावलनन. विकठनूया२ कालाह. महाभमानान. रुनाधियनिगतकीलय
कि॥ ३॥ दक्षिणदिगघ
लंक. रेनवमहाभमाना
रत. दवीयमदादि. रुहणी
धियनिगतकीलयकि॥
धनूया२ लकीवलरुनासन. महाभमानान. नाकसाधियनिगतकीलयकि॥ ३॥

[illegible][illegible]

० गंग कृ प रु न न ना पु ४४ गंग कृ द रु नः व ना पु

लयनगु॥ ॥ दिनवनप्रांनियनस नूधिनयावियसक मूसादननं वियानं २ मूडान
 नाडदावियसायनवका
 दिवनसा रुगनियनिराव
 निरावथि सफयनिरुधि
 डा॥ प्रिसमाधि॥ ॥
 लजाडवमाज्य भनूमसुलवक नायाश्वक पकल सजान संयनिरुदिन मवूमसु

यिया॥ पुचक नूत्तम आलिंगन रुद्रक नयिया २
वक्त नयिया॥ ॥ हृदि मन्त्री नैवी न च न रुहि
आन २ मूनरुग सर्वद व वक्त पा उठा द वी मिनी क
उवन उक्त न कू नाय रुना अ पि उवन उक्त व कू
नव नाठ क संपसा दिन रुहिय वृ व का का ना॥
ग हृदि ग लला वला व २ रुत्तम मन ल रुय व न्वन

लवङ्गनाया॥ ५॥ उमन्
 वङ्गनाहिश्चानिगतसं
 जहिंस्तुहिंनहिंशूह्यम्
 रुयनसंहाव॥ ॥ वि
 विनीविनाशदिनीउवन
 ॥ अहनिमिसंहातगुपूवानी

सादिगल. रुयमान्मृतिर्यसंहाव॥ ॐ नमो॥ तसिग॥ तावा॥ मया॥ अनुरुन्म
 थता. वंका नसंरुव. नल
 मृत्तमूदकसंरुसंरुमृति
 दायक. सुवीजिनव्याथिन
 लासतसंरुन. नागन. वि
 संरुव. लाधिन. यं वपियूरु. रूका नमल. पूषा संतद्व. वज्र संरुयितविधा. वकलंम

72

महाभारत

३ कल

॥ वायुमयकनकपद्मपरवत्सलद्वयमण्डितनिजलक्ष्मींश्च
तद्वत्सलवक्रहस्तसख्य
दानधनसर्वसमयस
विहृन्त्यसमयसख्य
नागानामाश्रयविनागा
निष्ठाभक्तुर्हामः॥ कृष्णमहामकरिणीयाहं हं नहिबहुमावाहनागद्वयम्॥

॥ १० ॥

नकावर्ष ॥ १२

हवश्चिन्नकादि ॥ ५॥ पहाघल्लुडयायनवज्जारमविनामिवायधि. आचार्यवयिथा
॥ ५॥ वामदहिनकन.
५॥ कर्त्तवाननन. अर्य
मामकिपूजा ॥ ॥ ना
२ मृगादहा कुकयहनकि
गन. यमादिन. मयनसूराया ॥ ५॥

श्रुवानयाप्ररुसयिवज्जानस. आरुमिदिना ॥
नवहामरवज्जयवनघस. वीयसंवाधा ॥ ॥ ॥
गा. नाट ॥ ना. ॥ रुटि ॥ नकावर्षदिनितायसू. रनि
वरता ॥ ५॥ दुष्कदेवीवावृति. मामकिदवीरु
॥ ॥ मृगमवदपूनास. वया. एरथागधमदिता

१३

काशिगवज्ञान ॥ १२

वृष्मिन्नधना. व्याप्रवर्मकर्हि वस्तिना ॥
किनीदवी. सहजानदमू
गुनवतस. आ. नाधिना ॥
ना. मया ॥ कलिन. वज्जान
कू. र. र. आ. ग. पि. उ. व. स. वी
न. र. म. र. ग. न. य. धा. नी. का. धा. धि. य. पी. म. र. व. ज्ज. र. ड. आ. र. र. ३. का. धा. धि. य. पी. म. र. व.

॥ दिगविदिर्गकाकायादि. यमज
नृगिधना. र. न. मा. मि. न. मा. मि. श्री. व. व. स. म. च. ना. स. न
॥ ॥ आ. र. मि. वि. य. ॥ ॥ ना. गा. ॥ य. व. मा. ॥ ना
स. न. वि. मा. नि. रू. वि. न. डा. व. यि. ड. का. न. स. उ. नू. यी. र
सा. य. यि. सा. यि. जि. न. डा. मि. वि. नू. यी. ॥ ५॥ य. न. मा
॥ ॥ म. र. व. ज्ज. र. ड. आ. र. र. ३. का. धा. धि. य. पी. म. र. व.

जा॥ ॥ कालिका कमल संयारग सहजा यवन नर्तन गसूनी लगती शयि मस्त्रे वषट्
 कुज नल मूकूट धा नि क
 नि वज्र पर्य कासन कुं
 नि वाम धर स्तन लवाय
 लयि भूत गमू नूति नूर्यर
 नी नायदी ॥ ॐ ॥ वज्र वा ना हि व ॥ ॥ नागा ॥ धना श्री ॥ ता न कि नि ॥

१५

महाका

जा का मल संस्व क न वड भूत न द द हार डि उ व न रु स यि महा सूर व नाया वड सूर्य
 शयि म निया ॥ ॐ ॥ नया
 कल्प विघ्न नोद वी भूत
 यो न थि नि क ल्या न न
 न व न द हा ॥ ॥
 व क म ख ना या य न धा ना पी व नू द न न वि न मा ला ॥ ॥ सर्व ग धा ग न

अथ पूजा ॥ ॥ राग का भाउ ॥ गान ॥ खड्ग गान ॥
 हा नदन सदा पिभन सकल धन ॥ २६ ॥ दधु ॥
 नरु नरु ॥ धु ॥ ॥ वडु व विं भि यी ॥ थ धन ॥ ॥
 वज्र घनि वृणा ॥ दवी सं पूग ॥ वज्र सि क र्छि ना ॥ ॥

75

ਸੀ ਰਾਹੀਂ ਸਾਧਨਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਵੇਗਾ।

श्री नाथिना ॥ ॐ ॥ वज्र दया हि नृणां ॥ ॥ ना
 थ ॥ द्वि तु ज च क मुख व क व क वि न श २ मू क ट क
 रू रू ग ना रू रू ० ग ना ग न रू रू रू ॥ ॥ वाम क
 उ म्मा ह न स ह शक्तिना ॥ ॥ सूर्य म सु ल मा म्म
 धे मा ॥ ॥ ग न यु नू व न स सि न ग न ध ना २ व ज

दि ३३॥ २५
पद्मनाभः

का. ना. या. २३

वा नाहि उरुयाय सनत् ॥ ३३ ॥ यक्वा नाहायक ॥ ॥ नागा नाहि ॥ नाव ॥
माथा ॥ कालायिल धिया
वज्रयि कनू लक्रियायि
गानहि वज्रयि ॥ ॥ गहि
लिंजन यनयायि इलून
लाजनयायि मलयंजयि धनसा लिंजन सुहिरं नूखाजनयायि ॥ ॥ यषून कनू कनू

११

ॐ

सर्ववक्त्र २७

वज्रधनमनयिरनिले सुहृर्गवज्रवस्थिना तस्मिन्नाद्यानयायि ॥ गिवाहनि ॥ ३३ ॥
नागा ॥ प्रावनि ॥ नाभमाथ
यागिनी वज्रमल्लिङ्गकाव
गिनी गलमल्लिङ्गाश्च
दिस्य मज्जन्तु सनसदी
खला विठुयिगा ॥ ॥ कनमिषयं नमान् च्छदनी नूकटकं दारिगचनारमृगुमान्

सप्तमस्क ॥ २२ ॥

स्वर्गगमयितुं सप्तजिह्वा हयंकना ॥
यिगा २३ उं वव स गि र्यं ध
वार्य वृत्त्या र्यं ध मसि ॥
यि व स म्ब न व न यि र्क वा
कूट क म दि ग म्ब ना ॥ ३२ ॥
ना २२ ह म यि ना हि नी व क्वा ना ही

॥ उ म्ब द वी उ क्क न न का स म्ब न वि श्व निया
वि म्ब व व क र्क या गा व यो या ॥ ३३ ॥ म्ब नाः
ना गा ॥ म्ब ह लि ॥ ना व ॥ मा थ ॥ हा श म्ब न र ग क्रिया ॥
ह नि न व म्ब २ उ म्ब वा द क न म लि या म्ब म्ब न म्ब
न न न मा नू स म्ब न ना या स म्ब न स र्द नि मा नू का
॥ म्ब ति श य स्त व न

१८

सप्तमस्क ॥ ३२ ॥

ही म्ब ति ग म्ब क र्क २ उ म्ब पि र्क वि र्क वि न व न स म्ब न म्ब तु ल्ना ॥ ३४ ॥
मा म्ब तु ल्ना क र्क २ क वृत्त म्ब
या वा नि व व व द न र्नी
ह न वि ॥ ना ना म्ब या ॥ वि
वी वा सि नी त ल्वा र्क म्ब क
मा क्क मार्ग स ल्वा ड व न ल्वा र्थ ॥ ३५ ॥

नू स वा य न वी य र्क हा व ॥ ३६ ॥ म्ब द म्ब तु ल्ना ध वि
स र्क हा व ग म्ब तु ल्ना र्नी ना ॥ ३७ ॥ ना गा ॥ म्ब ना
द ल य म्ब तु ल्ना म्ब तु ल्ना म्ब तु ल्ना म्ब तु ल्ना म्ब तु ल्ना
॥ ३८ ॥ यि व यि व म्ब तु ल्ना म्ब तु ल्ना म्ब तु ल्ना म्ब तु ल्ना
॥ ३९ ॥ व क्वा ना हि म्ब ति ग म्ब म्ब तु ल्ना म्ब तु ल्ना म्ब तु ल्ना

न २

५५॥३॥

वा. सुनननदवा॥ ॐ ॥ पूजायुक्तुष्टातिप्रकमनरुनकि याशहनन्क. लदरुम
वा. यवनिगा॥ ॐ ॥ नागायवम॥ गाना॥ विरुना॥ ऊयमवाचुनिहन
वघनयिशसयनसना
मनमदिमलुलनोयन
खनघलुडलावाशयिनि
न. पीव नूदननविनमासाशकृकिखदीगवन. मूककश॥ ॐ ॥ गिनारि ॥ ॐ

2.

शुद्धतादिना ३२

न. नाथ क. गं. ल. स. ला. २ क. पु. नी. क. च. न. मा. म्. न. स. ख. सा. वा. ॥ ३ ॥ रु. त. यि. स. न. ग. व.
 ऊ. ला. न्. नि. दा. सा. २ यी. व.
 का. मा. ३ ॥ मा. न. स. व. क. गा.
 यि. न. य. न. रि. ष. म. व. द. ला.
 म. म्. व. ल. का. ध. ना. या. ॥
 न. धा. नि. यि. तु. व. न. ना. थ. ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यकां ॥ ॐ ॥ नाग ॥
जानु स्वप्न कि नः मान
न नाया अवनवीना ॥
कृदिता शविश्वनाथ विद्य
भूकिरिबना उर्यवः ॥

॥ विविधिनलमोली रं क न द हा २ ॥
कामा ॥ ना ना र व क गा ना ॥ अवनिनि हि न वा म
सुजासा २ नाग द्वय मा ह व च्छि न वा ॥ ॐ ॥
॥ न मा मि श्री व द म हा ना र व ना जा न मृ त् प ह य
व्याये ग वि रै वि कु म म हा क्रा ध ना या ॥
दृष्टा क ना या वि द्यु गि कि न र ॥ २ यी डि ग म् ध ना क द

२१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यकां ॥ ॐ ॥ नाग ॥
जानु स्वप्न कि नः मान
न नाया अवनवीना ॥
कृदिता शविश्वनाथ विद्य
भूकिरिबना उर्यवः ॥

॥ प्रीति आदियात जाला विव च्छा नि र गी त मून हा विव व वि वा
इयिया द ध व न क २ व ड या गि नी म क ल गी त ॥
य सु या ग २ की क न कि क म ल कू लि ग व क र्ति वा ॥
व ता नि र ल य न व ड स म ह नू व वा ला ॥ ॐ ॥
न डि ॥ ना ना म रा ॥ डि ह ड वा य यि या गि नी द ह
क वा डि र क म ल कू लि ग घ ण क न द नि या न ॥ ॐ ॥ या गि नी कू वि नू ष म कू न डि

कः नि कः नि कः नि कः नि

वर्ग ५५॥३०

वयिरत्नानामूहर्व्विव्यान. कमलसूत्रवयी॥ ॥ कथयत्तु आगिनी. लघनजायिश्म
लिकूल. वहियाव. डादि यानसमान॥ ॥ भवघनघावकूविव्यान १
वत्सूर्यइयिपकनरुना ७॥ ॥ रुनयिरगायानिहमकूद्वनूवीनाश्नन
यनानीमाभ्रडूरुयनरु वीना॥ ॥ १॥ नागाग्वडुयि॥ नाव॥ वकताव॥
वकि कूलुलकांथिभावः कमखवरुषिता. धिवनूदननठिनमावाश्मीन
वकि वकि ज्ञेया रुस्मन्ति रुषित. गगलकताठि. वन्धूनिवाया॥ ॥ १॥ यउयगिह

23

सुविमो ३२ - सोदमराया ५०

सासयिकयिलगाइइथरुनाअमल्लनाया॥ ३॥ हंकावहमनअमननिवासिया
 ना॥ ॥अनियरनिल
 ध॥नवडुथागिनीयसम
 थरुनाअकवूटाकवानि
 अलकनसनडागायथु
 ननवूटाकिथामिलवासानाहितावनाअयहाना२हउमानअरुनकीकिमितिउरु

गजजिन॥४२

प्रभादिनदरुदिरुलमिवृद्धनदिकानजगमडधानस२सयनवृद्धहियाचककूलयि
यानिजविजहयायनिरु
विरुविरुगन२सगगुवृ
विरुविरुगन२सगगुवृ
विनि॥ ॐ ॥ सतिवृद्ध

रुनवि॥ गान॥ उकनान॥ गजजिन॥ उद्धनहाथधनीयाकमलकुलिगभूदयवाविश

मिन॥ ॥ उद्धनहाथधनीयाकमलकुलिगभूदयवाविश
नलभिलगनधनियारुनयिहृनवृद्धगत्ववताः ॥
ह्यागीतायमादितदि॥ ॥ यमामयुन॥ ॥ यमामयुन॥
मृदिवृद्धामाका॥ ॥ गववृद्ध॥ ॥ नागा॥

२७

उमनूकवनि कूभनविभूना वामखदागकयानधवा॥ ३॥ श्रीमन्मन्नायावा
विभूक्तजलासिनामान
॥ ॥ यादावृद्धमूद्धवा
हिनकनकारुववडमूव
वाययियान कानिनाधिः
प्रवर्ममटमूडा॥ ॥

॥ ॥ विषयविनीविनधनलायकडिनिवृद्धमहाविनीवीवा२क

यिनजाययियालमाया सासुवृद्धपडावित्ता
महाथधनीयाडननसिसमासा२नीसहनिमला
मृदिविद्वनानमृद्धना॥ ॥ मृदिविद्वनानमृद्धना॥
विमृमूडा२विमृमूडालिगभूदवृद्धजटासूक व्याः

उनीगाहन॥४३

नृसमृज्जाव. विलेविनश्चन उंऊयिसयानसैसानधना॥ ॐ ॥ वागा॥ सुसिउंऊलि॥
गावा॥ ऊनि॥ उनीगाभाहन
॥ ॐ ॥ ऊगगनूकं कृपायु
यनगिनि नूडमावा २ खंऊ
पल्यानिवा २ खर्वसम्बाद
मागा २ रुनयिभूमावऊगीतवनिगा॥ ॐ ॥ वागनिवद॥ गावा॥ माथ॥ ऊखयनि

२०

सूखयनिनेगना॥४४

नीऊन. मूदय. मूनयम. गगलकमसऊसाधना २ गुन्यमाविनाठिर. नायथिोवियाद
वी. प्राताविंदसमऊठिना
सतसै प्रायिता २ सनदव
॥ ॐ ॥ गागवव. साधि
ददयाचक. प्रायित मू
दयवमानद. विनमासऊ वऊनानदऊ सैरुवा २ यवसादिनमा मा मू नछादि

निर्गगयन॥४७

स महासुख सुगतसंयदवन प्रापिता॥

काटिसिद्धायानगगाश्री
जानरु॥ ॐ ॥ वाग॥

मरुतिमूरुषिवायनसम
गिनीजानकवृत्तनावदी
कान्य पूरुकनयिया॥

॥ हवजकानवक शीवकसम्बन शूनन

रुतडादियान पूर्वगिनिजानवनी प्रभुमहासुख
कलुडि॥ ताना॥ मय॥ निर्मलगयनदुशाहितम
वसुहव॥ ५॥ ॥ हावयिनपीयागावववीनाश्या

॥ ॥ जाकिनीमलुलवक रुलयिया २ मलुल

॥ वज्रिधाविदियावि वलुनिशेसिपिनी व्यापिनी जम्बू

२८

वज्रिधावि॥४८

कडवूकिनी॥

मात्रयि॥ ॐ ॥ वाग॥

दवीर सिंधिनी ॥ ५॥

गाम्बवर् हानवनीया

न यकिम उदकितदिगी

वकुनदिगांउमरुलुदवीर शिनिनयदवी नीवकिदवी॥

॥ जाकिनीद्यापिनी वडसिकवाजनी २ सयनसम वरुयवचन

॥ मानव॥ ताव॥ माथ॥ वज्रिधावि वगावि वलुनि

व्यापिनी जम्बूकडवूकिनी॥ ५॥ ॥ नमामिपीया

रुपिनिनयदवी प्रिभुवनययिष॥ ॥ पूर्वडरु

दवीर जाकिनीद्यापिनी वडसिकवाजनी॥ ॥

॥ हरिहरवृष्णा ॐ

वज्रयागिनी॥४७॥

उभूतगमनरथाजयागिनी समनसं हवः॥ ॐ ॥ नागा॥ मानवी॥ मानमाथा
वज्रयागिनीहनूवनायार विभुवननाथा देविगयान॥ ॐ ॥ पिवयिन्नमहा
नस महासुखकनयियार वज्रदवीरुलीया मूनहनहन॥ ॥ उद्धनानि
जिदलकमससंयाग २ दहिविनाडा यवसहदयि॥ ॥ मुंजयिन्नपेवम
हासुखकली २ यं वसिन्न सविज्जवानूली॥ ॥ सगुनूवनलपसाद वड
थाहिवक २ प्राहधनी संसानसमूडा॥ ॐ ॥ नागा॥ मानवी॥ मान॥ माथा॥ न

२२

नेमाभिरी॥४८॥
वज्रयागिनी॥

मामिरीवज्रयागिनीरगवनी मलुलमाथ्य प्रयासिगदहा॥ ॐ ॥ नोमिरीवज्रयागि
नी साहिगवर्हीरा २ मूनरु नवाधिप्रदायनीदेवी॥ ॥ विभुवनव्यापित
दहिनकननिधावीरसरु ज्ञानदहूयीदेवी॥ ॥ कूटागावमनाहन मलुला
श्वामघर्षन कडुखर्षि गधानी॥ ॥ नकधर्मादया वाययिगादवर
प्रमामिवाक्कनि गुधध नी॥ ॐ ॥ नागा॥ नाट॥ माना॥ जनि॥ उदयागिनिग
मलगनिर्सासा २ कूलिगक नाटक थायिगदवी॥ ॐ ॥ मूकूटकठा विनिवावनीद

गोरिन ॥ ७२ ॥ विषय ॥ १०

नाग ॥ कवदि ॥ गाना ॥ मया ॥ श्रीहवजनेनात्मादवी जिहवननाथाशयवजिनव्यापिता
यक्कनरुदहा ॥ ३५ ॥
ऊया ॥ गेति ॥ मुन्यता ॥
मावे ॥ इधमा ॥ ॥ घम
वजा ॥ ॥ ॥ नाग
कनयिबडा ॥ नि ॥ नाहिकमल ॥ २६ ॥ हयिजिनवीवगा ॥ मिमयिस्वनवज ॥ गिनिभा ॥ रास

३०

मय ॥ स्यामसयनी ॥ ३६ ॥ नममं ॥ धामं ॥ कानवजं ॥ हवज ॥ सवनविधनूर्य ॥ २५ ॥ यिपडूम
सीया ॥ स ॥ रुवनिधना
न ॥ कू ॥ म ॥ नू ॥ त ॥ नू ॥ नामस
दायक ॥ या ॥ ग ॥ ध ॥ र्म ॥ भा ॥ नू ॥ रा
न ॥ कू ॥ वि ॥ म ॥ ति ॥ मू ॥ कू ॥ व
नी ॥ सूर्य ॥ रु ॥ मा ॥ भा ॥ नू ॥ वा ॥ रा ॥ ह ॥ उ ॥ व ॥ नी ॥
सहज ॥ आन ॥ द ॥ म ॥ य ॥ ह ॥ न ॥ नूर्य ॥ ॥ वं ॥ क ॥ य ॥ र्म ॥ क ॥ ण
गी ॥ मि ॥ मू ॥ का ॥ य ॥ ध्या ॥ नी ॥ २ ॥ ज ॥ ग ॥ इ ॥ ख ॥ ना ॥ ण ॥ ती ॥ वा ॥ धि ॥ रु ॥ ल
व ॥ रु ॥ द ॥ यी ॥ ॥ गु ॥ नू ॥ वा ॥ क ॥ ह ॥ उ ॥ ध ॥ व ॥ नी ॥ या ॥ मू ॥ र्ध ॥ य ॥ व
उ ॥ उ ॥ ना ॥ दि ॥ ध ॥ नी ॥ या ॥ २ ॥ व ॥ ड ॥ व ॥ क ॥ या ॥ ण ॥ ती ॥ व ॥ य ॥ व ॥ म ॥ ध ॥ र्म
॥ स्व ॥ प्र ॥ मा ॥ या ॥ ण ॥ ह ॥ ण ॥ रा ॥ व ॥ य ॥ नि ॥ रा ॥ व ॥ ना ॥ वू ॥ ध ॥ र्म

गन्धमल्लुत्त॥ १२
चक्रवर्त्त॥ १३

ना॥ ॥ गगननिवावन्धवलिङ्गानिवासय. वरुविमानरुंरं
 क्षान्तिवज्रसनजालज्वांसं
 स्वहियाप्रमादकनरस
 रुमिध्वधव॥ ॐ ॥
 मूनावायनृषा॥ गीता॥ प्रमा
 नृषा॥ ॥ नागा॥ मन्त्रा॥ नागा॥ माध॥ गन्धमल्लुत्तमध्व. वीकानर

शां॥ ॥ किञ्चिन्मल्लुत्त
 ननुनृमाह्वादिभगवन्नि
 किनलागिता॥ ॐ ॥
 दिता॥ १४॥ ॥ वरुधावाधिव

निर्मोक्षमूत्र॥ १३
निर्मोक्षमूत्र

ऊचकमुख. पृथिविदेवी॥ ॐ ॥ ऊचकही मूत्रादेवी. पृथिवीमानर सर्ववत्तसम्पू
 र्ण. विरूयिता॥ ॥ यी
 सैजावती॥ ॥ कनक
 सैजानती॥ ॥ दिव्या
 ना॥ ॐ ॥ कलशमधि
 निर्मातामूत्र. मध्यगक. कलशम. यैवानृममज. पूविपूविता॥ विधमयगर्हित. यै

वयनवान् नीलवर्ण नर भिनसिक्कायिता ॥ ५ ॥ ईं ईं कवरु वजा वार्य मनु
 विन्यासित कर्मवजी स हिमा प्रह्लादस्वनीयिनी शवज निष्प्राहि मग यविप्र
 लुह उना रुव समूड न वस मिमिलरुवत्मा ॥ ॥ पूर्वदलगत यव
 सूर्य सनेजिता येव विंशतिरु दिग वृद्ध कार्य शद कि ल दलगत वज स्व स
 मस्व नूर्य प्रिभुवन सम वस याय विभुद्धि ॥ ॥ यश्चि मदलगत न
 यत्मा धिता प्रवन वरु सिद्धि नसरुजिता शडहन दलगत घञ धायनादिना

३३

हनस्वनीयिनी विश्वजननी ॥ ॥ मूर्या ॥ ददल ॥ ॥ गीता ब्रह्म नक ग्यम
 नरु नजथापिया नर पृथ विन्यासित विधमय पूजाता प्रसमा मि वरु सत्व
 सिनसाधिता ॥ ॥ ॥ म गुनम गुसा ॥ ॥ गीता ॥ म
 १४ ॥ ॥ कलम यूजा ॥ ॥ ॥ धर्मन ॥ १५ ॥ ॥ समाधि ॥ ॥ गीता ॥ मूनी सा ॥
 नकवर्ष ॥ १२ ॥ ॥ देव सुधूया ॥ ॥ नम ॥ १० ॥ ॥ देव वजा ॥ ॥ वाहिना ॥ ॥ प्रिद

ॐ ॥ ३४ ॥ गतवक्र ॥ ॥ गीत ॥ राखन ॥ ४१ ॥ थूनि कि न स दू दू या त क ॥ ४४ ॥
 अरिद्र न दू दू ॥ ॥ नरे न म रू न ॥ ३ ॥ वाग मा ला ॥ ४ ॥ वि च स न ॥
 हा ॥ ५ ॥ समाधि ॥ गीत ॥ मनी ल ॥ १६ ॥ क ॥ अ पू ॥ गीत ॥ म नू रू न ॥ १७ ॥ या
 म की पू ज्ञा ॥ गीत ॥ व कू व ल ॥ १८ ॥ धू या ॥ गीत ॥ न म ॥ २० ॥ द व व द ॥
 वाहिना ॥ गीत ॥ वि ह ॥ ३३ ॥ गतवक्र ॥ गीत ॥ राखन ॥ ४१ ॥ थूनि म रू च
 न दू दू या ना क ॥ ३४ ॥ इ वि य दू दू म रू च न स ॥ ३५ ॥ का न ॥ ३६ ॥ वाग मा ला ॥

३४

स रू ज वा मा द हि ॥ ३४ ॥
 स रू ज वा मा द हि ॥ ३४ ॥

नागा ॥ नाट ॥ ना न ऊ मि ॥ स रू ज स न ॥ नू रू ह नू व ना या २ वि बु व न ना थ द हि वि ना सा
 ॥ ३७ ॥ उ क्ता रि य क २ क म ल कू लि ण स ॥ आ ग स रू वा ॥
 ३८ ॥ उ द्वा टा ष टा दि नू वि या प्र व ॥ २ प्रा न वि दू स म हा स रू व द ॥ ३९ ॥
 हा न ख न नू पि नी द वी वि ध व्या पि टी २ कू द नि स न ॥ म हा स रू व द ॥ ४० ॥
 उ नू प सा दा म नू रू न कू या २ द हि म मा ना स रू सा न स मू डा ॥ ४१ ॥
 स रू हा न ॥ ना ग मा न सि ॥ ना न मा थ ॥ वा मा द हि न ॥ इ वि य दू दू म रू च न स ॥ ३५ ॥

३२
३६

यिमहासुखवृत्तनः॥ ३॥ उक्तं यिन मायिया सहजाभानन्दं सयलविज्ञाया वि
यनिहाव॥ ॥ गयन
निया॥ ॥ एकधाव
॥ ॥ यावयिभगुनूया
मूडापूजा॥ गीतहाउरु
॥ ॥ सद्यपूजा॥ नागा॥ नाट॥ नाग॥ कनि॥ कडाननूयलाकश्चनकडान
वीनवर्यामातरकिदुल॥ पदमनूय॥ १

नमस्तुल्यवर्कं शुक्तिगच्छयताकविताने॥ ॥ शुयनिनाडितुयकमन्यक
२मदनवगीतवधसम
कूनाटकविहकूदिवी॥ नाहं॥ ॥ यववृक्षात्मकसर्वयक्षायं २यस्य
मनकवप्यन॥ ॥ अ
मलवनिवर्ग॥ ॥ वृद्ध
यं॥ ॥ वधुजनेजदायनिमूक्तिगतनवर्द्धं २वृद्धविश्वनया विप्रनिग

कायिनवधमा॥३०

मिदं सकने॥ ॥ गनाहं हं हं शनाननहं हं हं ॥ ३३ ॥ मधुसूदयकेलागीन
निजुव॥ ३१ ॥ ॥ वाहिनागीन॥ छिहंज॥ ३४ ॥ ॥ गिद्यधया॥
॥ नागावनादि॥ नानम
दवप्रिउवतनित्ता॥
द्विसिद्धिभाहियभाद॥
मिगगतइवाना॥ ॥ उदिरगनदद्यानवि अष्टागशगगतलजवनमाययवनह

३८

लान॥ ॥ यवनयैवान॥ उक्केवन्ध॥ २ वियनितकनमदाचकसिद्धा॥ ३३५ ॥
गतयक्र॥ गीन॥ रास्वन
इदिलायायूरु॥ कुरुयाग
युनमपुन॥ गीनम॥ व्यमन
जागीन॥ मूनरुन॥ ११ ॥
यूजागीन॥ नरुवर्ह॥ १२ ॥ भूय॥ नम॥ ३३ ॥ २० ॥ दववर्गागीन॥ छिवक्र॥ २१ ॥ अ

रुकिविद्यागीत॥ कलिननजनल॥ २२॥ मी सासुनिगीत॥ का ला २३॥ आदि
 चर्यागीत॥ हाडा रुवस ॥ २४॥ उवा माक॥ वाहिनागीतवकीकलुल॥
 ३०॥ संसंव॥ गीताऊय ॥ ३१॥ गतवकागीता॥ राखवा ४१॥ थूनि
 इविहायापूर्वसातहला ॥ नऊयवाहयागकलु ॥
 गुनसुलुसागीतमध्याम ॥ १५॥ समाधिगीता॥ मनीला १६॥ मामकी
 पूजागीता॥ नकच १२॥ धूपनम ४२॥ २०॥ देवचर्या ॥ मकटयुजा ॥

३२

पिउवनकलिनगा ८॥ गतवकागीत॥ का लायि २७॥ मूलपूजागीत॥ हाडा रुव
 सा २८॥ वलिपूजा ॥ नागा॥ रुनविनाताना ३१॥ वडागमूमनसि
 निषवृका वासुकिनागा ॥ गार्जिगमेद्या २ गहनमध्याम ॥ मूधकवृका घनि
 गमद्या गकक नागा ॥ ध ॥ ००॥ उजम जलवक रुगवकि वायू वाक स
 दिगीविदिगीवलिवनि ॥ वरमूमममन ॥ विसीवीनैधेन नावयि स
 रुजानदव ॥ ॥ कंकनिधाना वाहिगमद्या ॥ सासा कला ककटिक नागा २६॥

वउजमम ॥ ३१

नैकरुनवा. वहिगमया. सनसिहनागा. दूगकवृका॥ ॥ मूहगहम मययाल
 नागा. प्रवयुमया. वहिम
 सुयभा॥ ॥ धानम
 हुनवृका. कूलिकनागा
 वठवमवदना. द्वादशन
 मर्दना॥ ॐॐ ॥ धूमाजा. निपूजा॥ ॥ नागा॥ मूचोरुनवि॥ नावना. वस्यनि॥ धू

१ नाखरु. गवला. किलिशलावा ४

४०

धूमाजा. नि॥ ३२

मी. गा. नि. वलकना. नि. रूषमयि. गनक. द. वयन॥ ३२ ॥ उजयि. नरुं. रुं. रुं. रुं. रुं. व
 कन. ला. नाना. विहानो. द
 दवा. र. वा. रु. नि. वा. रु. न. व
 र. म. रु. र. पू. रु. क. नै. क. स. म
 यन. र. म. घ. मा. स. म. रु. न
 ता. दि॥ १४॥ ख. मा. म. ल. ला. गी. न. द. वि. नि॥ ३२॥ थू. नि. न. रु. प. वा. रु. या. न॥ ॥

सिक्काद्वयकृद्गुयावर्वाकृष्टशला॥ ॥ अख्यं नवसुखं न्यनागीत॥ हाऊरु नरला॥ १
 ॥ मूडाख्यतलुन्यनागी
 ॥ नागमाला॥ ४॥ विश्वस
 मलुला॥ १॥ मूलावायवृत्त्या
 ॥ ॥ विष्णुनवजवा
 ला॥ १४॥ ममाकि पूजा॥ नकवर्ध॥ १२॥ धूया॥ नमः ४॥ २०॥ देवपूजा॥ ॥

४१

कानकवर्ध॥ १२॥ धूया॥ गीत॥ नमः ४॥ २०॥ देवपूजा॥ गीत॥ निर्मनादिता ४३॥
 आरुति॥ कलिवजानन॥
 मि॥ गीत॥ सर्ववृद्धा॥ ३१
 ॥ वाहिना॥ वकि
 यनृत्त्या॥ द्विनि॥ ३२॥
 रास्यना॥ ४१॥ धूमिसिक्काकृद्गुयावर्वाकृष्टशला॥ ॥

सिक्काकाकायकृष्णयावर्वाकृष्ण॥ पूजाधूनकाडा॥ ॥ कौंठयाप्रहियक॥ गीत॥ ध
 नधन॥ २॥ यंत्रसासिलसह
 ना॥ चकीकलुल॥ ३॥ ॥
 हाखन॥ ४॥ ॥ थमिसिक्का
 कृष्णयावर्वाकृष्ण॥ ॥
 निर्माणादि॥ ५३॥ यंत्रकृष्णपूजा॥ गीत॥ ॥ नागा॥ गन्धारुनवि॥ नाव॥ मय

४३

गीतकृष्णना॥ ५३४
 यंत्रयागिनी॥ ५५

॥ रगाकृष्णनयनरूपनस्वनूयश्चर्यवामृगनस्यकृष्णानिपूजिया॥ ५॥ ५॥ ५॥
 विनायकिशुवनवीवार
 धनसहजानन्दश्चकल
 धनस्वरूपश्चदेवासूनन
 कनिष्ठश्चमनूयश्च
 ॥ ॥ नागा॥ कलशि॥ नाव॥ मय॥ यंत्रयागिनीदेवीशुवनव्यानीश्चविष्णु

मान इह दय्य विना सिनी ॥ ३ ॥ नमामि धी वज्र वा नाहि ॥ मडि सिद्धिदायनी जगत्तज्ज
 ननी ॥ ॥ पूर्वदलगा ॥ ननक वल्लुगी ॥ २०० ॥ नयामिनी दवी नीवव
 दनी ॥ ॥ वायुव्यभा ॥ हिनी दवी खन वल्लुगी ॥ २०० ॥ नयामिनी दवी नीवव
 रगो वव वल्लु दहा ॥ ॥ नमस्य संज्ञा सिनी दवी ॥ हनिग वल्लु ॥ २०० ॥ नयामिनी दवी नीवव
 वल्लुका दवी ॥ ॥ वडुडुडु ॥ २०० ॥ नयामिनी दवी नीवव
 ॥ २०० ॥ नयामिनी दवी नीवव ॥ २०० ॥ नयामिनी दवी नीवव ॥ २०० ॥ नयामिनी दवी नीवव ॥ २०० ॥

४४

५
 ४
 ३
 २
 १

नागा रेव वी ॥ ना ना ॥ मया ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

२००

विष्णुसहस्रनाम ॥ ३८ ॥
विष्णुसहस्रनाम ॥ ३८ ॥

॥ समयनरुदुदानयगिनसर्वसिद्धिसम्यदहमनिनर ॥ आसंसावतथागनववन
सर्वसिद्धिसम्यदवृद्धिन
अनूलन ॥ १० ॥ **ममकि ॥**
विद्याश्चनर्धमा ॥ ॥
रुवर्धननमस्कृतकः
नीविश्वरुननीरुविश्वनव्यायिरुजिनरुहानयायनी ॥ ॥ दहिनेकनवजवि

॥ ॐ ॥ **समाधि ॥ अनिला ॥ १७ ॥ कलयूजा ॥**
नरुवर्ध ॥ १२ ॥ **धूया ॥ नमः ॥ २० ॥ देववर्वा**
नागा ॥ **विलास ॥ मानमाध ॥ दिशुज्जकमुखनः**
हादिनिनीवला ॥ ॥ **नमादवीवृद्धजकि**
॥ दहिनेकनवजवि

४७

नासिगदधंनिरुवामकनाटकवृद्धमनिसेयीवयि ॥ ॥ नरुतिमलुलमाथ
अदियानगमनरुवलो
देवी. सूनननमहिगार
सावित्रीगीता ॥ राजोरुन
३० ॥ **संसाव ॥ ऊयैऊयै**
प्रमादिनादी ॥ १४ ॥ **यमामलुल ॥ दिविनि ॥ ३२ ॥ धूमिहिक्रमाहूययाग ॥**

पूववलमनरुप्रवदिता ॥ ॥ **धीविद्योधनी**
सकनसिद्धिसिद्धिदहिममाता ॥ ॐ ॥ **यव**
॥ २८ ॥ **इयामाका ॥ वाहिना ॥ वकिरुलुला**
॥ ३८ ॥ **गलवक्रा ॥ रुखन ॥ ४१ ॥ लमववलि ॥**

उ न स य या न व र्वा क ल श ल ॥ उ न म ल ॥ गी त ॥ म र्ध भ न ॥ १ ॥ य व स नो पू ज ॥
 ॥ गी त ॥ गी क द ह न ॥ ३ ॥ स मा धि गी त ॥ भू नी ल ॥ १ ॥ मा न कि पू ज ॥
 ॥ गी त ॥ व क्त व र्ध ॥ १ ॥ २ ॥ द व व र्ध ॥ ॥ य व स ॥
 वि न र ह य ॥ गी त ॥ हा ज ॥ ॥ य मि उ ॥
 न स य या न श ल ॥ ॥ य थ कि न ल द र वा या न व र्वा गा क ॥ ॥

४३

श ड न म ४ यी व क्त वा ना क ॥ ना हा सि च्च यू ज्ञा या व र्वा क ल श ल ॥ ॥ हा ज रु न
 ल ॥ १ ॥ ध न व न श ॥ न दि
 ॥ १ ॥ ह न सि न ॥ ३ ॥ व म
 ॥ १ ॥ व क्त म य रु मि ॥
 ना ज टि ॥ य क्त म य रु मि
 न मा मि र्श यी क्त न द रु व क्त ॥ २ ॥ द व ॥ य स द न भा क्त रु ल द ॥ ३ ॥ ज कि च्च ह व ॥

न क्त व र्ध
 य व स नो पू ज

पुष्पदिगा. घ
नमो भगवते ॥ ३२

निनावृष्टकस्वाश्चलुनाहा सा न्यास्यामार्थवामा ॥ ३२ ॥ कनकसनहा दकिरुतन
यिनीष्टाश्चलुनाहा ॥ ३३ ॥ यथयिष्टमयुष्ट
प्रदाष्टास्वानदाश्चलुनाहा ॥ ३४ ॥
नागमधुमहाना ॥ ३५ ॥
गिनीगहमहाना ॥ ३६ ॥
श्वनीगहमहाना ॥ ३७ ॥
॥ यस्याहायास्वस्वाना नन्दमन्त्रिश्चलुनाहा ॥ ३८ ॥

४१

वर्षागिनी

नमो भगवते ॥ १०
नमो भगवते ॥ १०

आवलीनदी ॥ ३९ ॥ अष्टमहाना जाह्नवा नदी ॥ ४० ॥
॥ दानयगि सर्वविघ्ननि
निर्माता ॥ ४१ ॥ ॥ ३॥ ॥ १॥ ॥ १॥ ॥
याकिवह इति ललिता
मानिष्टीवस्वा नादवी
रुद्रकल्लवा मकनधा नी ॥ ४२ ॥
॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

कुरुनीराजना॥ ७१
पञ्चमनूय॥

सनत्तममंजसि २७ नूवनल यलमिहध्वानि॥

दवी २ जंरुनवनूदा. मणु
रुनिरुंजन. यं वरुननध्व
स्वराव. मामकि सूनस
लि. नसिगवडाडुहि ध
कमुखविलावनीदवी॥

॥ लोकेध्वनवजयासि २७ ला

लज्जका॥ २७ ॥ नागा॥ रुनवि॥ नानामय॥ क
राव वंका वरुनविजमृत्यना निवात्वसिमहा
यनिरुवडागिनी॥ ३७ ॥ नमामिदवीपीवान
जमृत्यना २ भूलिङ्गलषविनयसनसि॥ ३७
॥ अष्टादशरुजध्वानिक. कनचकवान. डीनकपः

४८

पञ्चमसुपग॥ ७२
सनरुन. य

दिगिकन २ याभीकडाघत्यनध्वजागज. वरुनवलदयथमसव॥

रुनकनरुनक. धनूवज
रुं गलयपिदनूकमा
त्याकावरावयरु २ मः
मासा॥ २७ ॥ नागा॥
नीडवयिथावरदडादिगदवावल. नानाधियान. समयानदरुनकिहा॥ ३७॥

॥ अयनड

वन्धयध्वग. कमलनरु २ धिगूनभूगलवजवृत्त
डन॥ ॥ ३७ ॥ रुंकावहनकवर्ल मम
नारुव. मूहिनिसूकन. वानूलासायमंदा. वजयव
ललित॥ नानामय॥ महायक्याय समयावाः
नीडवयिथावरदडादिगदवावल. नानाधियान. समयानदरुनकिहा॥ ३७॥

82

॥ ॥ यं वनं कुरु सुखं वृक्षं किं न लक्ष्मणं प्रसमा मिश्री वंज विनाशिनी ॥ ॥
सूर्यनि मणिना ॥ ५२ ॥ ॥
॥ ५२ ॥ नाग ॥ नाडि ॥ नाग
नमस्तु मध्यस्थिता ॥
गं वना ॥ ५३ ॥ प्रसमा
पनी ॥ ॥ द्विगुण एक मुखे निना वना ॥ साहिब वंज ॥ प्रसमा ॥ प्रसमा ॥

वा ना हि द्य सिन्धुः ॥ १५
यं व क या द्य
स प ग म डि ध

व्याधिनी. दहिनक नमिधानि. मर्क पूनिक. कघालधानि॥ ॥ वक्रि कृत्तु लकठिधा
 नी हाथ लावक विरुषि
 क्षिनमान विरुषिना॥
 नम्रनी २ सहजान दम्भ
 ॐ ॥ यठ योगिनी॥ ७
 निसा॥ १७॥ अनूरुना॥ १८॥ नक्रवर्षा॥ १९॥ नमः १०॥ २०॥ देववर्मा मायु॥ ॥

५१

पूर्ववक्तव्यो
 पूर्ववक्तव्यो

द्विउजवज्जवा नाहिया॥ २१॥
 उदयागिनी. विविधयू
 आदि लपकि नलक लक
 काकि नलाद समति २
 कउनुआरुदिगविदि
 निवासिग. देवास्वसंगगा २ विहंगल गल. रुमन निनाद तिका मिग पूष्य मनाह

नाडकवृक्षाव्यनवनययाना आमादसखयदडकसिसिंका ॥ यश्चिमद्वानसुखे
 रुगिनि अश्वत्थवृक्षाय नवाना २ वेदूर्यनत्तानसम्पूर्य दवदानवगत
 (अथमानादवीष्यमाः नाडिष्वनविकीर्णघनगन्यरुहाणि ॥ ॥
 उरुनद्यानासिगनविना आहिमकनकमयसम्पन्नता २ गंगातिर्थादिबहु
 व्यहवा यकयकलीगत विनासिगानाहिर्गभूयन्धमनाहनसिन्ध्या सर्व
 प्रसिद्धानय उमिडदसा ॥ ३३ ॥ कडान ॥ ११ ॥ सकनरु ॥ १८ ॥ उमहिमधुना ॥ ११ ॥

१२

धूमांगानि ॥ ३२ ॥ ऊर्यवाचनी ॥ ३१ ॥ हाजरुनता ॥ २८ ॥ ऊर्यऊयी ॥ ३८ ॥ ॥
 नागा ॥ वसन्त ॥ गान सक्त ॥ ३५ ॥ नावयिषो ॥ ॥ मूनरुनरुनऊनीग
 नद्यनिनकनरवित्रिष विद्याकविमदविनरु ॥ ॥ आलाकआलाका
 लस्य २ आलाकनवदिप्रहधन ॥ ३३ ॥ नागा ॥ यवमा ॥ नानमाथ ॥ अस्तानी

वज्र अदिग ॥ ११
 क्रिनवनरुनसिध
 वज्र अदिग

अस्मत्प्रालका न २ अस्मत्प्रालागिनी वतन ॥ ॐ ॥ सि न सि सि च न कं क ल ह ना २ द वी च
 आदल मा क मा गं ॥ ॥ न व स ल अ थो न प्रालका न २ उ न वा क न आ न
 हं ॥ ॥ क स वं स मा उ न ल ह न दं २ क व द्दि क वि ह नां हा ह स दं ॥ ॥
 ग ल भि न सि सि द्दि ह स व सा दं २ क न्म क न्म व क वी ना मि नी भ न ती ॥ ॐ ॥
 व उ य म् ॥ ७१ ॥ द वि नि ॥ २२ ॥ सा द भा ॥ ४० ॥ का ना यि ॥ २४ ॥ उ
 दि ना न ॥ २२ ॥ व उ य म् ॥ ७१ ॥ धू मां गा वि ॥ ३२ ॥ धू मि म हा न ह स य ॥ ॐ ॥

१२

वर्ष ३

विषय य
 विषय य
 विषय य

य सं हा व ल ह ॥ ॐ ॥ क ॥ ह ह हि वि ल च का शा न ल ह शानि न ह य क ॥ गी ॥ ॥ वा गा ल नि ना ना न
 ॥ मा ॥ वि ह च का शा न ह वी क सं जा ना न नी ल व क व च्छि त पू त्रि न यी भ ह २ र ह क
 या ला दि वा न प र्वं लु या स पू ट नी ल व ड ह य म् नि ला हि ना ॥ ॐ ॥ न म ना थ उ क्ति
 न उ व न च न द ह दि ग स्ति न रु वा ला न क न ती ॥ ॐ ॥ वा क का शा ॥ वा क का शा
 न आ ४ का ना ह ना नू ल का म पू य पी ० ॥ हा व अं क य दि वी न २ ले ना व स्या दि स य ॥ ग
 न का श व द वा ह व क य द ह वं ग ल म न्म नि ना ॥ ॐ ॥ का य व का शा ॥ का य व का शा

पूर्वदिगम्यादि ॥ ४१ ॥
प्रवर्तमानम्

नञ्जैरुवयुक्कवज्वन्धपीठप्रतपनिमहावनादिवीचरवक्त्रगाथालिङ्गिगशुक्रांशुवडरुजा
जटाञ्जलशुक्लवज्वहानाथ
क ॥ ॥ वडुविंशवीचरवज्वन्ध
वडुविंशवीचरवज्वन्ध
क ॥ गडहिकाकास्यादिन
प्रतिनीलवर्ण २ प्रवयुजाशनीकाकवदना ॥ (सक ॥ डरुनाधियमिहनिगवध्वर

५५

डनुकाननरीमयकरुयहनती ॥ (सक ॥ पन्नगाधियमिनात्तावसवर्ण २ धनाननरीमना
गरुयहनती ॥ (सक ॥ यम
॥ (सक ॥ धनंजययमिनी
॥ पादुधनेधननाकसरु
ताधियमिनाहिकामार
निर्हककनती २ काधवदनहनिनीसार ॥ (सक ॥ द्वादशवीचमहाकाधवदनंजकि

१ वा ला वि लि प ह्या पा य नृ ल्य गी त क डान ॥ ५१ ॥ सक व ॥ ५२ ॥

राखि न वि नृ म लु ॥ ५२

आदि द र्वा आ सिंग त २ थी व क स म्ब न प्र सा द ग व यि गी क थी क सि ज्ञा ॥ ५३ ॥
मू स नृ ल्य ॥ गी त ॥ वि ह ड ॥
हं वि ज स कृ व ॥ २४ ॥ गी त ॥
स स स्मि ता २ यं व ड क द कि
गा २ वी व वी न व वी ग त द
मो सी कृ लु स क षि म ख ला नो दू ना ॥ ५४ ॥
॥ य वि घ णु ना ग व र्म उ म नृ ख द्वा गा २ पा ड प नृ

५४

न मा मि थ्यी ह नृ क ॥ ५३
भा कि य नि धे

पा ड पि नृ नृ म लु मा ला ॥ ५५ ॥
व ग रु ना फा ॥ ५६ ॥ ग द
हं न वि ॥ ना न पि रु ना ॥ न मा
व क या ला सं कृ ता र्क्ष म हि
न वि या पि त क नृ ल्य म य
वि त व्या प्र च र्म व उ मू डा २ गा टा सिंग त मू द्र य स मा वि व क र्म ० आ सि र य दा ॥ ५७ ॥
॥ य म जा कि नी ग त्म वि य ह नृ क ना थं २ गु वू पा द मि न धा र्थ
नृ द पि न ग लो व र्म ना र्थ नृ ल्य क ॥ गी त ॥ ॥ ना ग
मि २ थी ह नृ क व ड ग व व वी ना वि नृ कृ सि ज्ञा ज टा २ यं
त न व डि स नी स न न ॥ ५८ ॥ त ना हूं हूं त ना हूं हूं स य
स ल उ ध न व थी स म्ब ना ॥ ॥ न मा मि २ ग र्म व र्म वि ह
॥ ५९ ॥

सकनरु॥५४

हवजुमुक्तनारुं हं नारुं हं रननानद हं हं हं॥

॥ सुननमवदिकववराधवृशकूर

मावेस्यनदहववा॥ ॥

रावविमृक्तविशेषगुणकृपायि२नम४हं नम४हं यो

हवजुमुक्तगुणप्रपयि॥

स्मक ॥गीत॥

॥ नागनाटा॥ काना॥ कृति॥ सकनरु

गतगुनसम्बन्धीना २ अ न

यमकनृदाक विरसुखविहा॥ ध्रु ॥ सुम्बन२कनम

यिताषं २ निविधिकस्यविना

दाननृदा॥ ॥ दवीबावाहिउक्तमष्टिगदहा२रुवरु

यहननविहानविहाया॥

॥ सकलविघ्नहर्त्रिमरिपतिनूगा२नक्तिपतिस्वर्गनिवा

५४

यनमनरा॥५५
मायाजोष्य

सननृदा॥ ॥ रावारावकगाहकिमरिविहा२अनयमसुखनसमनसुखविहा॥ ३३

३३ ॥ स्मक ॥ गदहिविरु

वकपूर्वालसुखा॥ गीत॥ अस्वयनीनंजन॥ ४४ ॥ स्म

क ॥ गदनवास्तुकपूर्वालसु

खागीत॥

॥ नागविरास॥ कानमय॥ यनमनभा

नवरुवनरुवक२नववि

यहनवपाहकापाहक॥ मांसनरुगनितमृदुनविहा

२नवपृलमाहनसोवनप

विश॥ ॥ नागद्वयनभाहनन्दीष्या२नवपेशून्य

समाननदप्या॥ रावजुवनमिह नशु २ निरुनगसहजकूविशुद्धि॥

॥ यनउयन

५५

समि नय ॥ ८/३

शुवङ्गमिलाका२ननुननुवङ्गनमुच्य॥लाकामूक्तनिर्वहिनतत्त्वशुक्लविवर्जितसिद्धि
 नलय्य॥ ॥कस्मान्नगन्ध
 नसयनविद्युच्चिरशुद्धस्व
 पूर्वोत्पत्त्या॥गीत॥ ॥
 धनयि चक्रसौवर्णववज्र
 नयूनमातिथयद॥ ५॥ हूं हूं हूं आ ४ओंआ१हूंआहूं हूं हूं॥ ॥मृगुमात्र्याप्रवर्मरु

धिगषश्रुदाहनाकाववस (॥ अहकनं २२ ॥ हयिथपसा निभमावविदावम शं वकली घनलीय
 रुम्वं ॥ ॥ विश्ववज्रयंक
 नघलुमृद्रुनदिरुजहनु
 दयि नादकनं गनसमलु
 गनसिंनगति ॥ ३३ ॥ (॥
 कू ॥ ३४ ॥ (॥ क ॥ गीत ॥ कसिगवजानल ॥ २२ ॥ (॥ क ॥ गीत ॥ निजुरुव ॥ ३५ ॥

सक ॥

सक ॥ गीत ॥ गङ्गाजिना ॥ ४१ ॥ गीत ॥ वज्रयागिनी ॥ ४२ ॥ सक ॥ गीत ॥ विविहन्धिया ॥

वामख ॥ ४१ ॥

३० ॥ सक ॥ गीत ॥ डदि
गी ॥ तानमाथा ॥ वामख ॥ व
॥ ३ ॥ देवीनाचयिचक
३ ॥ कालमृषुद्विपिपा
ननुद्वीगिमुवदवी ॥ मूयपाददवी ॥ मूयस्वराव ॥ ३ ॥ मृष्टिर्महाननाया

ताकन ॥ २२ ॥ सक ॥ गीत ॥
धनदहिनकर्हि ॥ पायनतोपूनमूलुननडिनमाला
टिवजयागिनी ॥ शिनिनददवी ॥ गिमुवनयपिस ॥
हानवविन ॥ नागद्वयमाहकर्हि ॥ नद्वद ॥ ३ ॥ थू
॥ ३ ॥ मृष्टिर्महाननाया

६०

द्वदिगमन ॥ ४३ ॥

कनूकनाया ॥ माकमार्गदवी ॥ सवितदवी ॥ सक ॥ गीत ॥ सर्वव
॥ २१ ॥ कदनुमूलन
दिगंवननृषा ॥ गीत ॥ ॥
टिमऊवर्मविरुधित ॥ नाव
यिप्रसमामिहूकावा ॥
उंरुगयसगकि ॥ ॥ पल्लयानलजनामवलरुयमिवकलकलनक सहजगुलजागि

हन् ॥ गीत ॥ अरुनिनिहितज्ञान ॥ ३२ ॥ सक ॥ दव
वाग ॥ हनवि ॥ तान ॥ दवदिगमन ॥ धवलकिन
यिरुमरुजनयनधनक ॥ हनवकासिवायितलवाप
३ ॥ डथरुवागमनवकवृषामयदहा ॥ ३ ॥ मऊम
॥ ३ ॥ मृष्टिर्महाननाया

38

[illegible]

۵۷

२. कृष्णवर्धन ॥ २. जेभीषोवित्त
जिनवनरनिषो ॥ निरुदध

ववनगन्द्वाद्यमरुजगीवश्चवूमूर्खवचनधरेलवकालि॥ ५ ॥ नाचयित्री
सर्ववयायाश्चकवावाही
नीलामाखधुवादाश्च
वाकविरुक्कजमिनेंश्च
लकृगिसविलम्बेश्च
रुम्भ॥ ॥ शमालवन्नाग॥ अवित्रीविवालिद्यस्मविष्कृतिश्चवनिवधुलि
अतसिकृष्ण

ऊंवि. मस्तु नयवन्म ॥
 कालनयिया ॥ १ ॥
 ला. द्वि गम्बना ॥ २ ॥
 नयनमयना ॥
 यवजहूवकाल ॥

ॐ ॥ अशानन्द नाचयि हनु वनयिया २ ने रात्मा गानि
वननद्यद्यानव पंच वषध २ विरु गजुधुमाः
॥ यंचानियत्र स लमकूदरुने २ दलदव युज ॥
३ ॥ विमलस्य वृक्ष स मर्तवाले २ एनयि अम
४ ॥ इम ॥ ॥ श्याग मन्त्राले ॥ विग्वक
र्यस्का २ श्काव सजा ग रुषु वधु दहा ॥ ॐ ॥ नमा

१३ चक्रोत्तर
उत्तमोत्तर

निजीरुनूकवज्जिखवननाथा २ उच्चर्पिगलकं भामा लीविद्येकलिभा ॥ १
 ॥ गयमूरवषट्पुज्य
 ला ॥ २ ॥ यथमयुज
 गिभूत्रधया ॥ ३ ॥ यथ
 द्विमाकृपसादा ॥ ४
 नगर्पिगलकं भामा २ नाचवूरुनूय उनमयुव

अक्षरवर्णविषय १००
रदिनकनमस्तु

द्वंद्विचन्द्रापीलयादुर्ध्वनहावा ॥ १ ॥ वामद्विदहिनचक्षुलीरमापयवि
विलासयिरुद्रववापी ॥
मलिरुद्रवसंग ॥ ३
मूनीलस्य ॥ ४ ॥
कनमस्तुलमस्तुववा
पीताहा कोधसमाधिविकननयना ॥

५०९

२ ॥ दहिनठमनूवामखद्योगरश्मयगिनी
॥ गमवन्तिकर्षुयादुद्रवदास्य ॥ कायवाकचिरुह
॥ ॥ ॥ अष्टनापी ॥ ॥ ॥ ॥ श्यागगाधि ॥ दिन
विमतिवक्रिदादगनयना ॥ नीलस्यामलादिग
॥ ॥ यागिनीहानाकायसूत्रह्या

३१

विंगद्यदुद्रका २ कुलिमद्यं ० गजवर्मठमनूवध्रिय्यावृषजकवठिपाभ
॥ १ ॥ वामखद्योग
कालिदूयिचौपैयैवाप
विम्वकुलिमअष्टवद्य
मालायावकहीषमव
गोकुमीमवीवगभयका २ सहजानंदरु

कपालविभूजध्रिय्यात्रवृक्तकपाला २ आलि
यियागठानोठनवजसपुसावित्र ॥ २ ॥
रुगख्रियापयकपाला २ वावाहीआलिंगन
दनयन ॥ ३ ॥ चकीककुलमूयाभिलमा
यियालमकुलपुधमाभिषीरुद्र

॥ कायचक्रया ॥ ॥ १ नाग गव्य गी ॥ चकीच
लि २००० थं काल अभाय सिद्धि वलु सै हव ॥
वात्री २ खन दन कादि व नील वधु रणव ॥
कि रुतू व स रु उ स रण व २ स र्व स र्व उ द्वा नि व
॥ य व ग थ ग ग क (६) धात्री ०० डि २ य ह्वा पाय
३ ॥ मातू गी रुतू व नू धु मू धु क मा ल २ रु न कि

三

२ नाटि सधुल १०२
उदिगादी

एतस्मानिनीश्वरानराव ॥
 श्यागविरास ॥ नारिमधु
 ना ॥ ॐ ॥ देवीउमसि
 १ ॥ दहिनकयगिज
 ॥ सयकालमूर्खिमाल
 गवेनिसयगवज्जङ्गनि

४ ॥ श्री ॥ ॥ गिरंज ॥ ३३ ॥ श्री ॥ ॥
लमाश्रित गहविना २ ससुमना सहज समान
न उर्द्ध गगा २ गगधमिखलमाश्रित न गगा ॥
सुपायध्वनी २ वामरवद्या गच्छ ऊध्वनी ॥ २
संगा सिगा २ नवमित्रमालवित्रगा ॥ ३ ॥
२ ऊमजमगुरुपयि सविता ॥ ४ ॥ श्री ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १०३ ॥

॥ १ ॥ राग रेखा ॥ जिनजिक वला धुक आलाजिका पहल धुका २ राग गनि ध
षवगी प्रभादवगी वज
वज अक्षय सक वाजा २
वाजा ॥ १ ॥ रूप भव
गर्क कूलि भक वाजा ग
यधवल रिक्त रिक्त सनक रुद्रा २ समया विपू पहल कका अपराजिग समक

३२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १०४ ॥

रुद्रा ॥ ३ ॥ विद्या क क गाव वट कि वाजा नील दधु महावल २ उषी पच क
समृ वाजा प्र सा रि ग वि
म ॥ रुं का व स जा ग सरु जा
वाक चि र्क स य म धु ल
सम्व वज वा वा हि धु नो
उव स कू टा ग म व म नी रु वा ॥ १ ॥ द हिन क व व ज वा म ध ध म ऊ ठ म व

मम धु ला ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ राग रेखा
न च रूप ध वा व स ला क पाल ये य स व ग २ का य
विविध पू जि गा ॥ ॥ ॥ य ध ना मि धी द्वि यु ज
गा क नू ना म य २ अ य क का ला व लि च फ धा र

विष्णु
नमो

अर्चयन् गङ्गावर्मयुषिणाश्च नो पूजयन् विष्णुं मालादिना
दहा ॥ २ ॥ अष्टसु
गाश्च शुभदा गङ्गा
वत्तवज्जनयिगीगा
नासन अष्टाद्वि सर्वसि
कनदि ॥ विष्णुस्य नूह दिनत्त मधुल २ द्वाकालत्त मधुवद्वधूदहा ॥ ३ ॥ गङ्गावकि
हावनाथा आनन्द नावयि अर्चयत्त माधिया
गङ्गा मधुलयत्त मानन्द मूनी ॥ ४ ॥ अष्टा ॥ ॥ १ ॥ गङ्गा
विवलेयसादा ॥ ४ ॥ अष्टा ॥ ॥ १ ॥ गङ्गा
कनदि ॥ विष्णुस्य नूह दिनत्त मधुल २ द्वाकालत्त मधुवद्वधूदहा ॥ ५ ॥